# अध्याय 1: मातृभूमि

## विषय-सूची

6 प्रश्नावली · 12 प्रश्न


| | | |
|---|---|---|
| प्रश्नावली 1.1 | मेरी समझ से (पाठ से — बहुविकल्पीय प्रश्न) | 2 प्रश्न |
| प्रश्नावली 1.2 | मिलकर करें मिलान (शब्द–अर्थ मिलान) | 1 प्रश्न |
| प्रश्नावली 1.3 | पंक्तियों पर चर्चा (भावार्थ) | 1 प्रश्न |
| प्रश्नावली 1.4 | सोच-विचार के लिए (पाठ-आधारित प्रश्न) | 6 प्रश्न |
| प्रश्नावली 1.5 | मिलान (स्तंभ 1 और स्तंभ 2 — भाव-मिलान) | 1 प्रश्न |
| प्रश्नावली 1.6 | शब्दों के रूप (पुनरुक्त शब्दों के अर्थ) | 1 प्रश्न |


## प्रश्नावली 1.1 — मेरी समझ से (पाठ से — बहुविकल्पीय प्रश्न)

### प्रश्न 1

हिंद महासागर के लिए कविता में कौन-सा शब्द आया है? (क) चरण (ख) वंशी (ग) हिमालय (घ) सिंधु

**हल**

कविता की पहली पंक्ति में कहा गया है — 'नित सिंधु झूमता है।'
यहाँ 'सिंधु' शब्द हिंद महासागर के लिए प्रयुक्त हुआ है।
विकल्प (क) 'चरण' हिमालय के पैरों (तलहटी) के लिए है; (ख) 'वंशी' बाँसुरी है; (ग) 'हिमालय' उत्तर की पर्वत-माला है — ये हिंद महासागर के संदर्भ में नहीं आए।

**उत्तर: (घ) सिंधु**

### प्रश्न 2

मातृभूमि कविता में मुख्य रूप से— (क) भारत की प्रशंसा की गई है। (ख) भारत के महापुरुषों की जय की गई है। (ग) भारत की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की गई है। (घ) भारतवासियों की वीरता का बखान किया गया है।

**हल**

इस कविता में कवि सोहनलाल द्विवेदी ने भारत को 'पुण्य-भूमि', 'स्वर्ण-भूमि', 'धर्म-भूमि', 'कर्म-भूमि', 'युद्ध-भूमि', 'बुद्ध-भूमि' कहा है।
हिमालय, सिंधु, नदियाँ, झरने, चिड़ियाँ, कोयल, मलय पवन — इन सबके माध्यम से प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन भी है।
महापुरुषों (रघुपति, सीता, श्रीकृष्ण, गौतम बुद्ध) का उल्लेख भी है।
लेकिन कविता का केंद्रीय भाव है कि यह भारत-भूमि 'मेरी' है — अर्थात् पूरी भारत-भूमि की समग्र प्रशंसा। सभी तत्त्व — प्रकृति, महापुरुष, भूमि — मिलकर भारत की महिमा गाते हैं।
अतः सही उत्तर है: (क) भारत की प्रशंसा की गई है।

**उत्तर: (क) भारत की प्रशंसा की गई है।**

## प्रश्नावली 1.2 — मिलकर करें मिलान (शब्द–अर्थ मिलान)

### प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों को उनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए— शब्द: 1. हिमालय 2. त्रिवेणी 3. मलय पवन 4. सिंधु 5. गंगा-यमुना 6. रघुपति 7. श्रीकृष्ण 8. सीता 9. गीता 10. गौतम बुद्ध अर्थ या संदर्भ: A. एक प्रसिद्ध महापुरुष, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक। B. वसुदेव के पुत्र वासुदेव। C. भारत की प्रसिद्ध नदियाँ। D. तीन नदियों की मिली हुई धारा, संगम। E. श्री रामचंद्र का एक नाम, दशरथ के पुत्र। F. दक्षिण भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु। G. एक प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता', इसमें वे प्रश्न-उत्तर और संवाद हैं जो महाभारत में श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुए थे। H. समुद्र, एक नदी का नाम। I. जनक की पुत्री जानकी। J. भारत की उत्तरी सीमा पर फैली पर्वत-माला।

**हल**

1. हिमालय → J. भारत की उत्तरी सीमा पर फैली पर्वत-माला।
2. त्रिवेणी → D. तीन नदियों की मिली हुई धारा, संगम।
3. मलय पवन → F. दक्षिण भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु।
4. सिंधु → H. समुद्र, एक नदी का नाम।
5. गंगा-यमुना → C. भारत की प्रसिद्ध नदियाँ।
6. रघुपति → E. श्री रामचंद्र का एक नाम, दशरथ के पुत्र।
7. श्रीकृष्ण → B. वसुदेव के पुत्र वासुदेव।
8. सीता → I. जनक की पुत्री जानकी।
9. गीता → G. एक प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता', इसमें वे प्रश्न-उत्तर और संवाद हैं जो महाभारत में श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुए थे।
10. गौतम बुद्ध → A. एक प्रसिद्ध महापुरुष, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक।

**उत्तर: हिमालय–J, त्रिवेणी–D, मलय पवन–F (दक्षिण भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु), सिंधु–H, गंगा-यमुना–C, रघुपति–E, श्रीकृष्ण–B, सीता–I, गीता–G, गौतम बुद्ध–A।**

## प्रश्नावली 1.3 — पंक्तियों पर चर्चा (भावार्थ)

### प्रश्न 1

नीचे दी गई पंक्तियों का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए— "वह युद्ध-भूमि मेरी, वह बुद्ध-भूमि मेरी। वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी।"

**हल**

कवि सोहनलाल द्विवेदी कहते हैं कि यह भारत-भूमि वह भूमि है जहाँ वीरों ने अनेक युद्ध लड़े और इसकी रक्षा की — इसीलिए यह 'युद्ध-भूमि' है।
यही वह भूमि है जहाँ महात्मा गौतम बुद्ध ने जन्म लिया, जिन्होंने जगत को दया और प्रेम का संदेश दिया — इसीलिए यह 'बुद्ध-भूमि' है।
यह हमारी मातृभूमि है — माँ के समान पालने वाली — और यही हमारी जन्मभूमि भी है।
कवि को इस भूमि पर गर्व है क्योंकि इसने एक साथ शौर्य (युद्ध) और करुणा (बुद्ध) — दोनों को धारण किया है।

**उत्तर: यह भारत-भूमि वीरों की युद्ध-भूमि भी है और गौतम बुद्ध की करुणा की भूमि भी। यही हमारी मातृभूमि और जन्मभूमि है — कवि को इस पर गर्व है।**

## प्रश्नावली 1.4 — सोच-विचार के लिए (पाठ-आधारित प्रश्न)

### प्रश्न 1

कोयल कहाँ रहती है?

**हल**

कविता की पंक्तियाँ हैं: 'अमराइयाँ घनी हैं / कोयल पुकारती है'।
अमराई का अर्थ है — आम के पेड़ों का घना बाग।
अतः कोयल घनी अमराइयों (आम के बागों) में रहती है।

**उत्तर: कोयल घनी अमराइयों (आम के घने बागों) में रहती है।**

### प्रश्न 2

तन-मन कौन सँवारती है?

**हल**

कविता में कहा गया है: 'बहती मलय पवन है, / तन-मन सँवारती है।'
मलय पवन — दक्षिण भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु — तन और मन दोनों को सँवारती (ताजा और सुखद बनाती) है।

**उत्तर: मलय पवन (सुगंधित वायु) तन-मन सँवारती है।**

### प्रश्न 3

झरने कहाँ से झरते हैं?

**हल**

कविता में कहा गया है: 'झरने अनेक झरते / जिसकी पहाड़ियों में'।
अर्थात् झरने इस मातृभूमि (भारत) की पहाड़ियों से झरते हैं।

**उत्तर: झरने भारत की पहाड़ियों से झरते हैं।**

### प्रश्न 4

श्रीकृष्ण ने क्या सुनाया था?

**हल**

कविता की पंक्तियाँ हैं: 'श्रीकृष्ण ने सुनाई, / वंशी पुनीत गीता।'
श्रीकृष्ण ने पवित्र गीता (श्रीमद्भगवदगीता) सुनाई थी, जो वंशी (बाँसुरी) की तरह पवित्र और मधुर है।

**उत्तर: श्रीकृष्ण ने पवित्र गीता (श्रीमद्भगवदगीता) सुनाई थी।**

### प्रश्न 5

गौतम ने किसका यश बढ़ाया?

**हल**

कविता में कहा गया है: 'गौतम ने जन्म लेकर, / जिसका सुयश बढ़ाया'।
गौतम बुद्ध ने इसी भारत-भूमि (मातृभूमि) में जन्म लिया और इसका सुयश (अच्छी कीर्ति) बढ़ाया।
उन्होंने जगत को दया और ज्ञान का प्रकाश दिया, जिससे भारत की ख्याति पूरे विश्व में फैली।

**उत्तर: गौतम बुद्ध ने भारत-भूमि (मातृभूमि) का सुयश बढ़ाया।**

## प्रश्न 6

"नदियाँ लहर रही हैं / पग पग छहर रही हैं" — कहाँ-कहाँ छटा छहर रही है? किसका पानी लहर रहा है?

**हल**

'छहर' का अर्थ है — बिखरना, छितराना, फैलना।
कविता में गंगा-यमुना-त्रिवेणी नदियों की जगमग छटा का वर्णन है।
छटा छहर रही है — नदियों के किनारों पर, घाटों पर, और भारत-भूमि के पग-पग (हर कदम/हर स्थान) पर।
किसका पानी लहर रहा है — गंगा, यमुना और त्रिवेणी (तीनों नदियों के संगम) का पानी लहर रहा है।

**उत्तर: भारत-भूमि के पग-पग (हर स्थान) पर जगमग छटा छहर रही है। गंगा, यमुना और त्रिवेणी का पानी लहर रहा है।**

## प्रश्नावली 1.5 — मिलान (स्तंभ 1 और स्तंभ 2 — भाव-मिलान)

### प्रश्न 1

स्तंभ 1 और स्तंभ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलते-जुलते भाव वाली पंक्तियों को रेखा खींचकर जोड़िए— स्तंभ 1: 1. वह जन्मभूमि मेरी / वह मातृभूमि मेरी। 2. चिड़ियाँ चहक रही हैं, / हो मस्त झाड़ियों में। 3. अमराइयाँ घनी हैं / कोयल पुकारती है स्तंभ 2: 1. यहाँ आम के घने उद्यान हैं जिनमें कोयल आदि पक्षी चहचहा रहे हैं। 2. मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है। 3. वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है कि पक्षी पेड़-पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं।

**हल**

स्तंभ 1 — पंक्ति 1: 'वह जन्मभूमि मेरी / वह मातृभूमि मेरी।' ↔ स्तंभ 2 — अर्थ 2: 'मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है।'

स्तंभ 1 — पंक्ति 2: 'चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।' ↔ स्तंभ 2 — अर्थ 3: 'वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है कि पक्षी पेड़-पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं।'

स्तंभ 1 — पंक्ति 3: 'अमराइयाँ घनी हैं / कोयल पुकारती है' ↔ स्तंभ 2 — अर्थ 1: 'यहाँ आम के घने उद्यान हैं जिनमें कोयल आदि पक्षी चहचहा रहे हैं।'

**उत्तर: पंक्ति 1 ↔ अर्थ 2 (जन्मभूमि = माँ समान), पंक्ति 2 ↔ अर्थ 3 (चिड़ियाँ = सुखद जलवायु में गीत), पंक्ति 3 ↔ अर्थ 1 (अमराइयाँ = आम के उद्यान, कोयल)।**

## प्रश्नावली 1.6 — शब्दों के रूप (पुनरुक्त शब्दों के अर्थ)

### प्रश्न 1

कविता में 'पग पग' शब्द का अर्थ है 'हर पग' या 'हर कदम' पर। नीचे दिए गए पुनरुक्त शब्दों के अर्थ लिखिए— घर-घर बाल-बाल साँस-साँस देश-देश पर्वत-पर्वत

**हल**

घर-घर — हर घर में, प्रत्येक घर में (जैसे: यह बात घर-घर पहुँचनी चाहिए)।
बाल-बाल — एक-एक बाल, बिल्कुल थोड़े अंतर से, बड़ी मुश्किल से (जैसे: वह बाल-बाल बचा)।
साँस-साँस — हर साँस में, प्रत्येक श्वास में (जैसे: वह साँस-साँस में देश का नाम लेता है)।
देश-देश — हर देश में, प्रत्येक देश में (जैसे: उनकी ख्याति देश-देश में फैली)।
पर्वत-पर्वत — हर पर्वत पर, प्रत्येक पर्वत में (जैसे: भारत के पर्वत-पर्वत में झरने हैं)।

**उत्तर: घर-घर = हर घर में; बाल-बाल = बिल्कुल थोड़े अंतर से/एक-एक बाल; साँस-साँस = हर साँस में; देश-देश = हर देश में; पर्वत-पर्वत = हर पर्वत पर।**